डायनासोर से लेकर जीवाश्म तक

एनेगर्ट फुचशुबेर
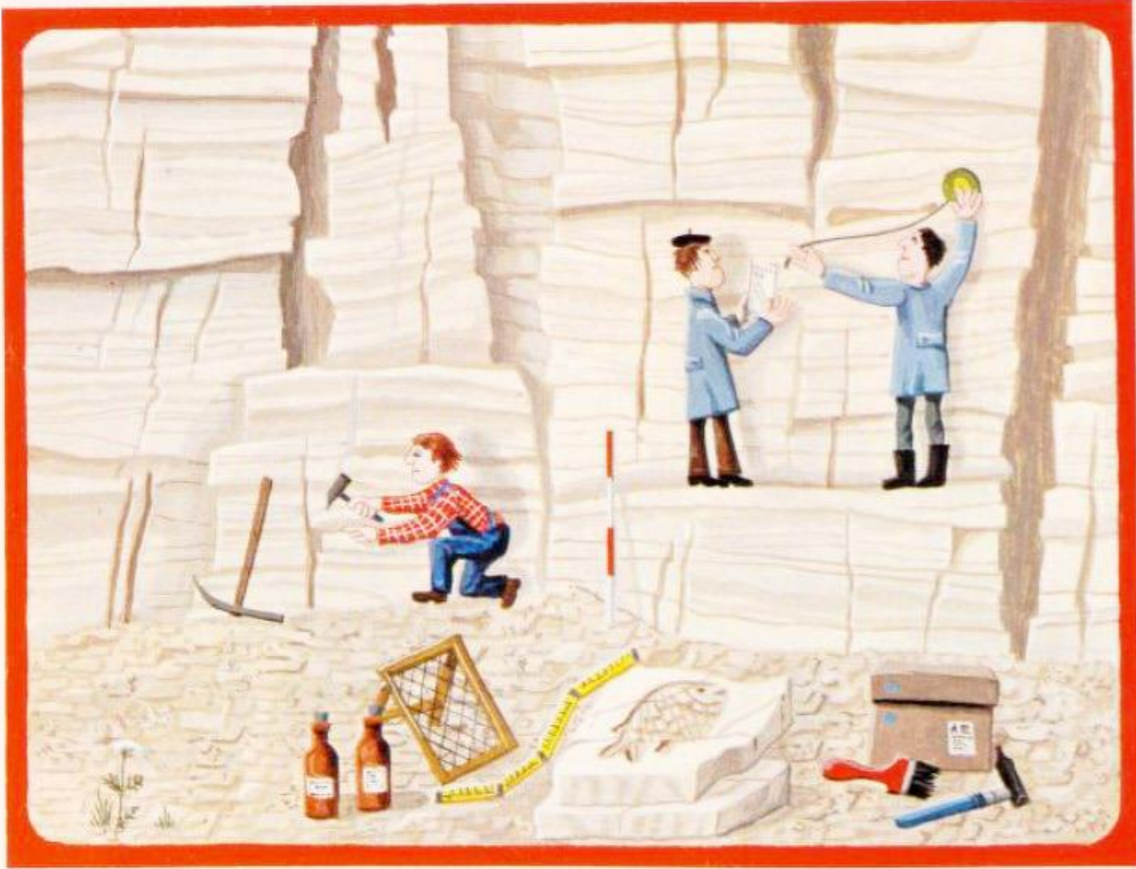
डायनासोर से लेकर जीवाश्म तक

डायनासोर से लेकर जीवाश्म तक

पहले डायनासोर 20-करोड़ साल पहले रहते थे.

वे सभी आकारों में आते थे.

वे मुर्गे के आकार से लेकर हाथी से पाँच गुना बड़े तक होते थे.

और वे दुनिया के ज़्यादातर हिस्सों में रहते थे.

उन्होंने लगभग 14-करोड़ वर्षों तक हमारी दुनिया पर राज किया.

फिर, लगभग 6.5-करोड़ वर्ष पहले, वे मर गए.

वो क्यों मरे?

उसका उत्तर कोई नहीं जानता है.

सबसे बड़े डायनासोरों में से एक डिप्लोडोकस था.

वो अपनी नाक से, पूंछ के सिरे तक लगभग 90-फीट लंबा था.

बिल्कुल जैसे 10 बड़ी कारें बंपर-से-बंपर तक एक लाइन में लगी हों.

डिप्लोडोकस का वजन लगभग 25-टन होता था - जो 5 बड़े हाथियों जितना था.

डिप्लोडोकस, प्रतिदिन लगभग 700-पौंड पौधे खाता था.
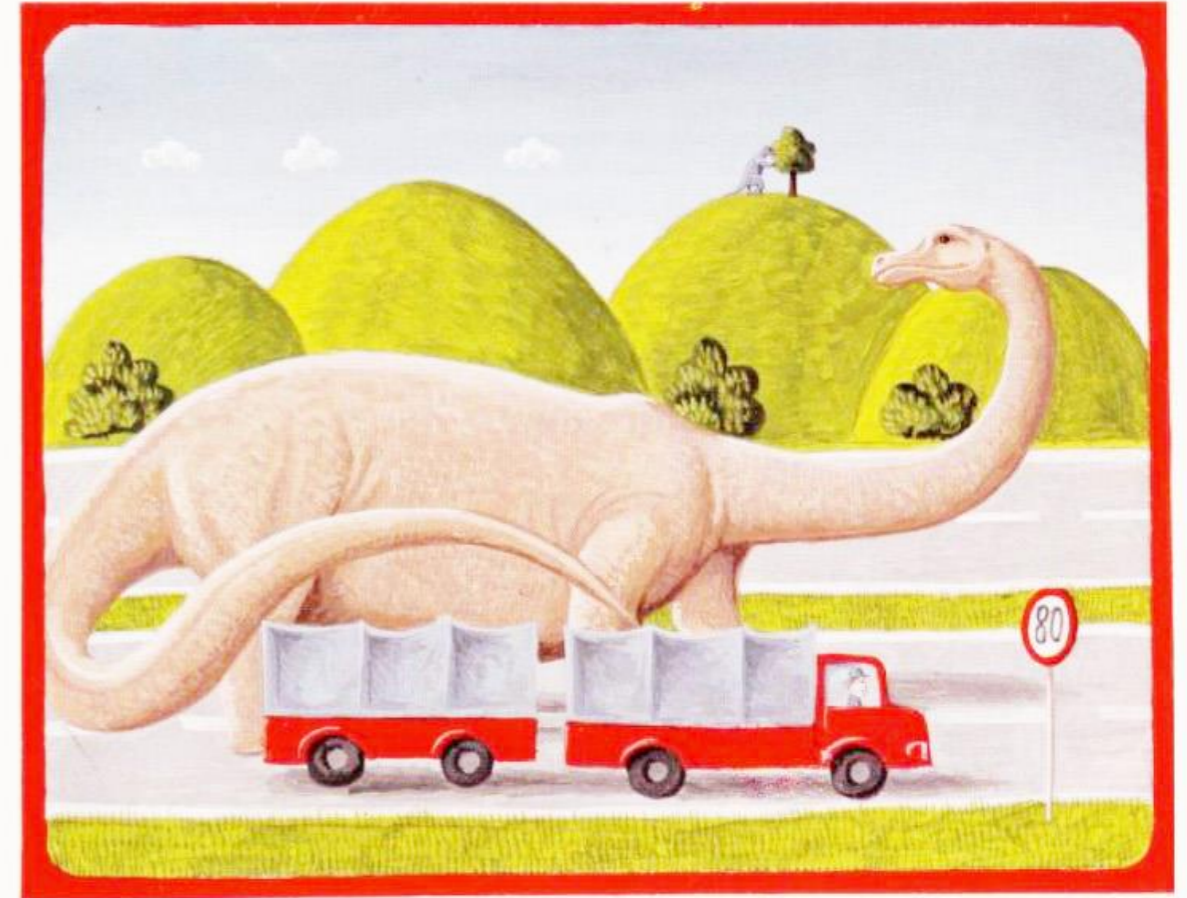
संभवतः सबसे प्रसिद्ध डायनासोर टायरानोसोरस रेक्स था.

पर टायरानोसोरस रेक्स, डिप्लोडोकस की तरह पौधे नहीं खाता था.

वो मांस खाता था.

वो अब तक का सबसे बड़ा मांसाहारी जीव था.

टायरानोसॉरस रेक्स लगभग 20-फीट ऊंचा था.

वो लगभग 50-फीट लंबा था, और उसका वजन 10 टन था.

सिर्फ उसका जबड़ा ही 4-फीट लंबा था.

उसका जबड़ा ही शायद तुम्हारी ऊंचाई से अधिक हो!

और उसके दांत 6-इंच लंबे थे.

इचथ्योसॉर्स डायनासोर के करीबी रिश्तेदार थे.

लेकिन वे समुद्र में रहते थे.

लेकिन वे मछलियों जैसे गलफड़ों से सांस नहीं लेते थे.

वे अपनी नाक से सांस लेते थे.

इसलिए उन्हें कभी-कभार ही, हवा में सांस लेने के लिए ऊपर आना पड़ता था.

उनकी लंबे थूथनी के अंदर उस्तरे जैसे नुकीले दांत थे.

इचथ्योसॉर, मछली और "स्क्विड" खाते थे.
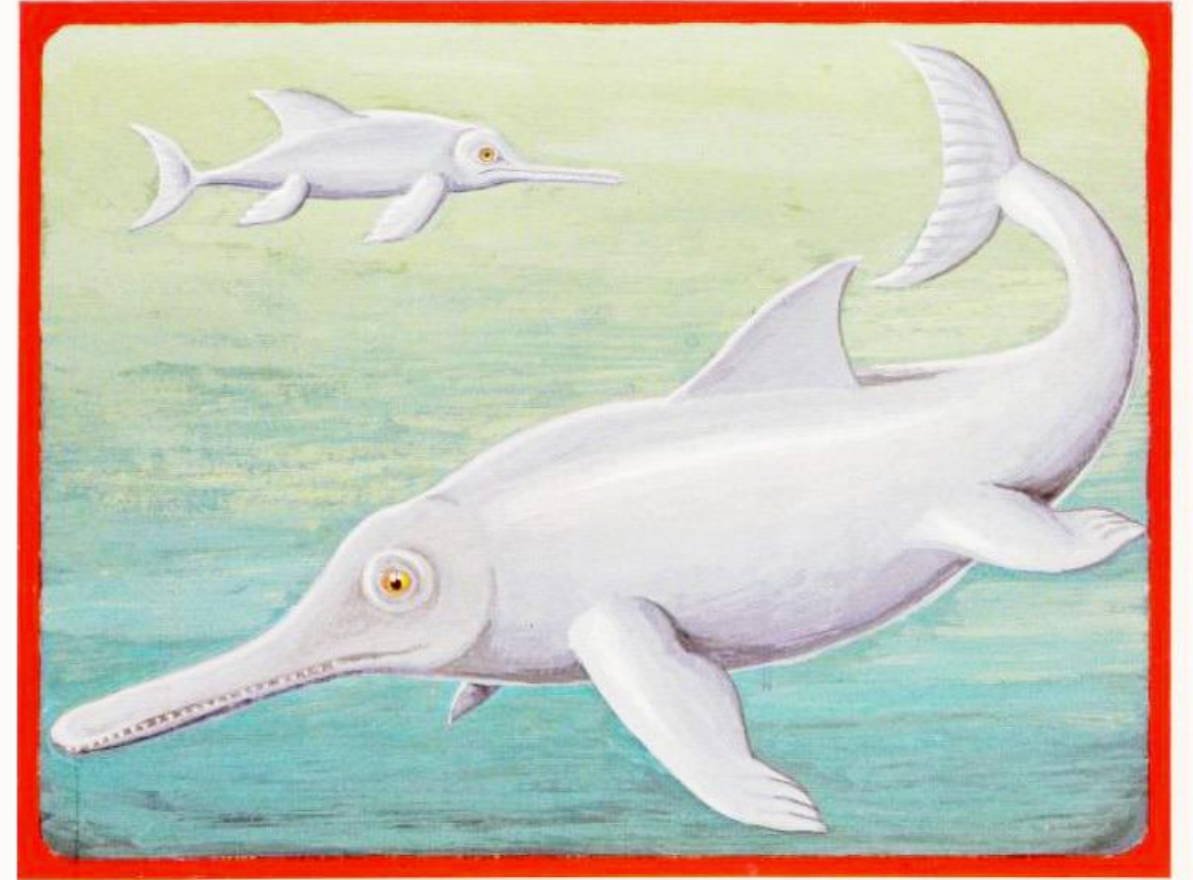
यह उड़ने वाला जानवर एक टेरानोडोन है.

वो शायद दुनिया में सबसे बड़ा उड़ने वाला प्राणी था.

उसके पंखों की लंबाई करीब 25-फीट थी.

लेकिन उसका शरीर केवल क्रिस्टमस "टर्की के आकार का था.

टेरानोडोन के पंख नहीं थे.

उसके पास त्वचा की बड़ी चादरें थी जो उसकी बाहों पर पंखों जैसी फैली थी.
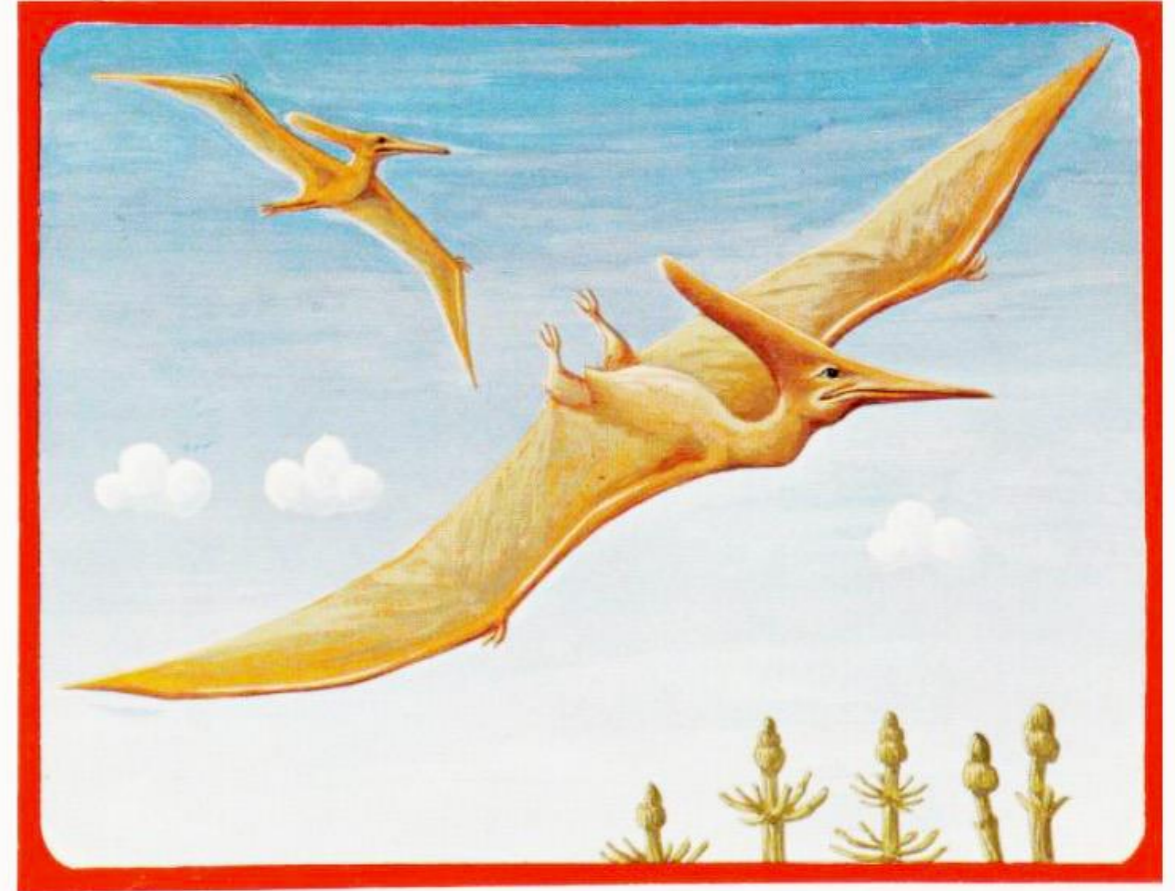
यह अजीब दिखने वाला प्राणी एक डिमेट्रोडोन है.

डिमेट्रोडोन लगभग 11-फीट लंबे थे और उनका वजन लगभग 500-पाउंड था.

वैज्ञानिक निश्चित नहीं हैं कि डिमेट्रोडों के शरीर पर पाल क्यों था.

लेकिन एक अच्छा अनुमान यह है कि पाल द्वारा डिमेट्रोडोन अपने शरीर का तापमान नियंत्रित करता था.

यदि डायमेट्रोडोन बहुत गर्म महसूस करता, तो पाल के ज़रिए वो कुछ गर्मी को हवा में फेंक सकता था.

यदि डायमेट्रोडोन बहुत ठंडा महसूस करता, तो वो पाल द्वारा सूर्य की गर्म किरणों को सोख सकता था.

चूंकि इंसानों ने कभी भी डायनासोर नहीं देखे,
फिर हम उनके बारे में कैसे जानते हैं?

वैज्ञानिकों ने जीवाश्मों का अध्ययन करके
डायनासोर के बारे में सीखा है.

जीवाश्म पौधों या जानवरों के अवशेष होते हैं जो
पृथ्वी की पपड़ी में संरक्षित रहते हैं.

अक्सर हजारों वर्षों बाद जानवरों की हड्डियाँ
पत्थर में बदल जाती हैं.

हड्डियाँ, गीली मिट्टी पर अपनी छाप छोड़ती हैं.
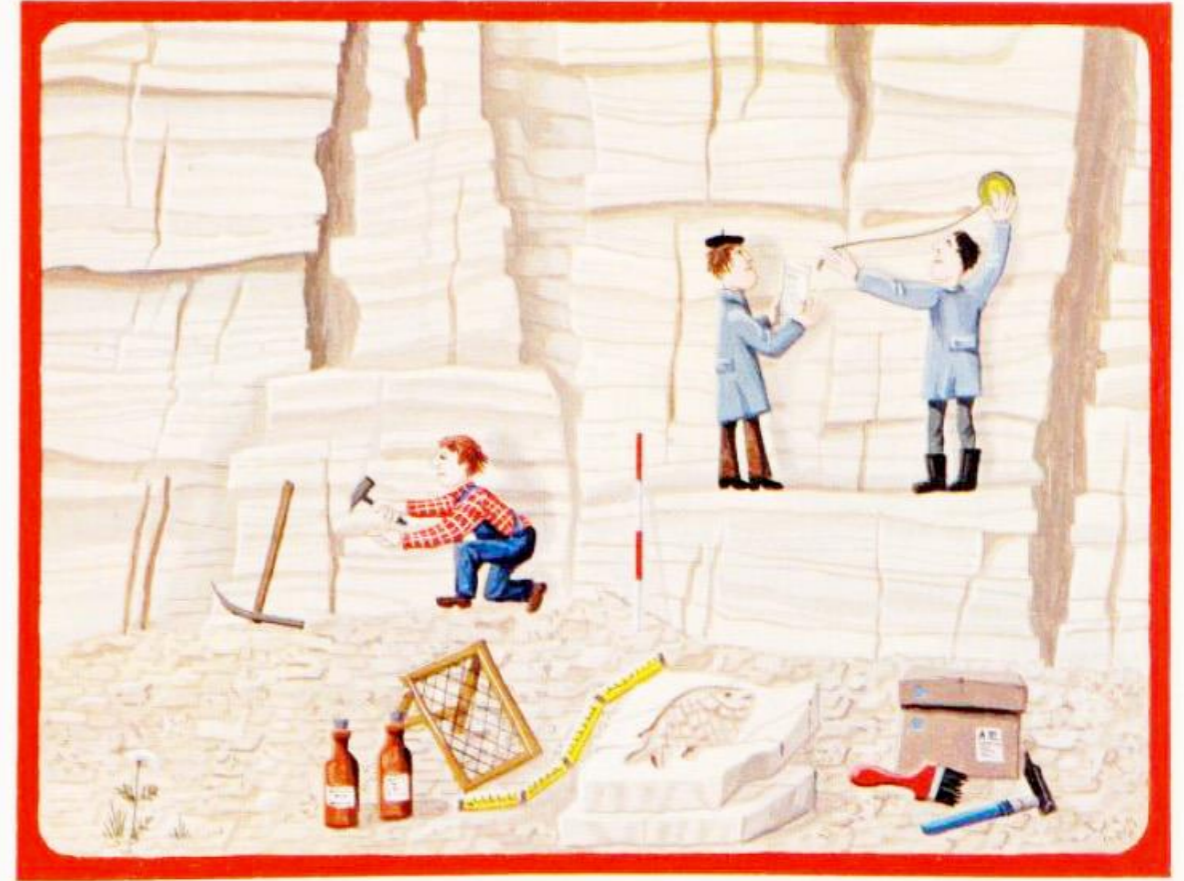
यह एक स्टेगोसॉरस का जीवाश्म है.

वो लगभग 15-करोड़ वर्ष पहले रहता था.

जीवाश्मों का अध्ययन करके वैज्ञानिक किसी जानवर के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं.

वे बता सकते हैं कि वो कितना बड़ा था.

वे बता सकते हैं कि वो कब रहता था.

वे यह भी बता सकते हैं कि वो जानवर पौधे खाता था या मांस.

जीवाश्मों के अध्ययन से ही हमने सीखा है कि लाखों-करोड़ों साल पहले हमारी पृथ्वी कैसी थी.

समाप्त